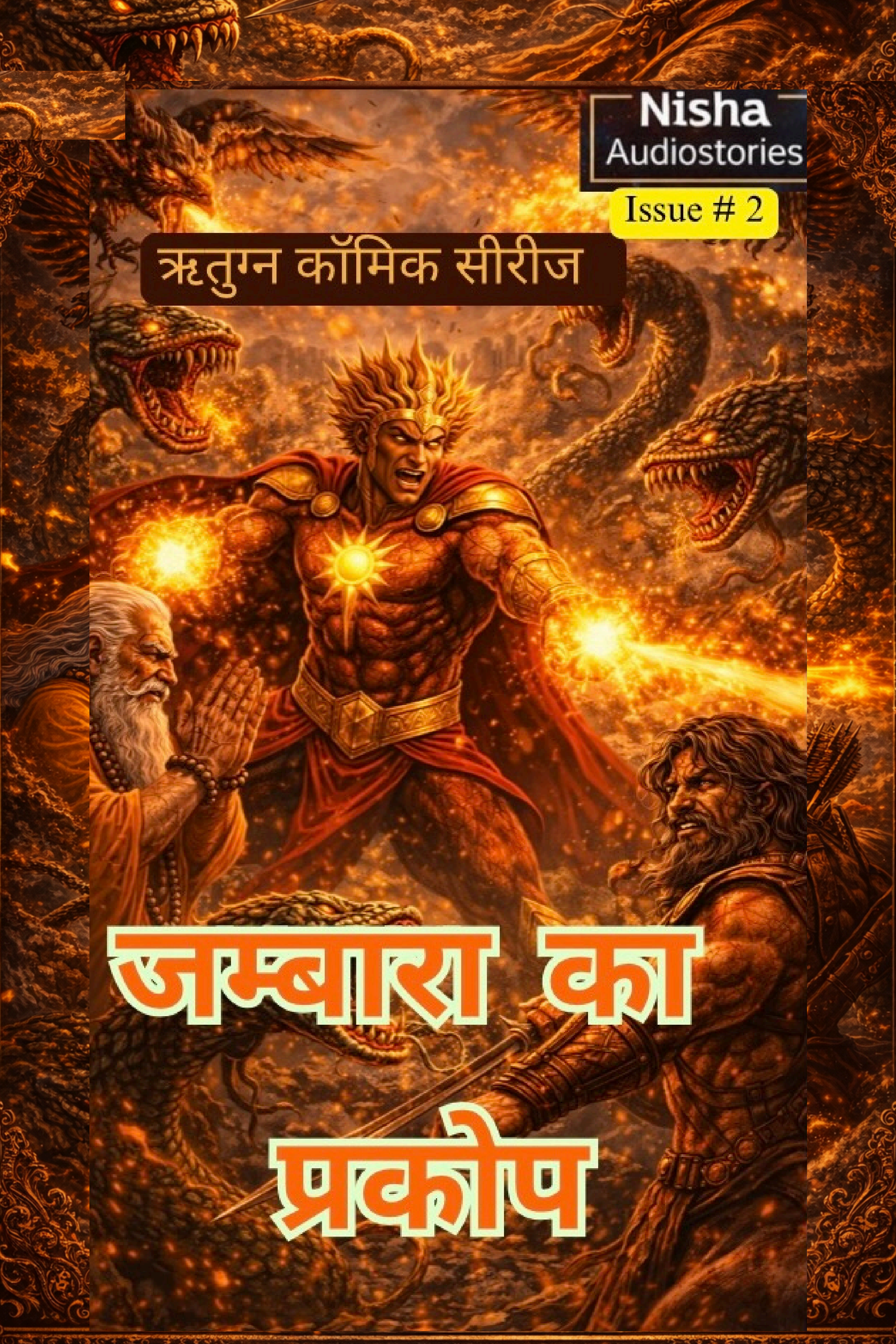

Nisha
Audiostories
Issue # 2
ऋतुग्न कॉमिक सीरीज
जम्बारा का
प्रकोप

लेखक, चित्रकार, अक्षरकार:
डॉ. निशा शास्त्री

जब एक इंसान की लालच ने पूरी मानवता को संकट में डाल दिया...

ज़म्बारा का प्रकोप

ऋतुग्न कॉमिक सीरीज़




यह कोई साधारण जंगल नहीं था।
यह भयानक और अजीब जीवों से भरा हुआ था।
जैसे नरभक्षी राक्षस नाग।
शायद वे जीवन की तलाश में आए थे...
GRRR..
लेकिन जंगल ने उन्हें मौत से जवाब दिया।
ये... ये क्या है?!
साहिल डर गया।
बोज़ो ने तुरंत बंदूक निकाल ली।
बोज़ो तैयार था। उसने गोली चला दी।
BLAM


वह एक अचूक निशाना था। वह नरभक्षी ढेर हो गया।
बोज़ो ने सावधानी से आगे बढ़ने का इशारा किया।
जंगल का खेल अभी खत्म नहीं हुआ था।
बोज़ोऽऽऽ!!!
एक मोटी हरी बेल झाड़ियों से निकली।उसने साहिल की कमर को जकड़ लिया।
बचाओ! यह मुझे अंदर खींच रही है!
राक्षसी पौधा उसे निगलने वाला था।
बोज़ो ने तलवार निकाली।
एक ही वार में...


बोज़ो ने बेल को काट दिया।
SHRAKK!
GASP!
साहिल कीचड़ में गिर पड़ा।
एक पल के लिए लगा... मैं मर जाऊँगा।
SSSSS-SKREEE!
कट चुकी बेल जमीन पर साँप की तरह तड़प रही थी।
यह जगह बहुत खतरनाक है।
दोनों आदमी थके-हारे, खरोंचों से भरे और पसीने से तर-बतर खड़े थे -
हाँ... लेकिन इसका मतलब है कि हम सही जगह पर पहुँच गए हैं।
बोज़ो जंगल की गहराइयों को घूर रहा था। उसके अंदर एक अजीब सी शांति थी।
वह मंदिर यहीं कहीं होना चाहिए... दुनिया की नज़रों से छिपा हुआ।
AHEAD!


बोज़ो दृढ़ निश्चय के साथ फिर से चलने लगता है। साहिल बेमन से उसके पीछे हो लेता है।
उनके साथ डर भी था... और लालच भी।
बोज़ो अचानक रुक जाता है।
यही जगह है।
उसने घनी झाड़ियों की ओर इशारा किया।
इस झाड़ी के अंदर चलो।
वनस्पतियों की उस लगभग ठोस दीवार को देखकर साहिल सहम गया।
क्या?!
वहाँ तो कुछ भी हो सकता है!
बोज़ो पीछे मुड़कर देखता है।
मुझ पर भरोसा करो... मंदिर यहीं है।


मेरे साथ आओ।
हे भगवान... मेरी रक्षा करना।
साहिल घबराहट में अपने हाथ जोड़ता है और मन ही मन प्रार्थना बुदबुदाता है।
दोनों अंदर चले गए।
अंदर घना अंधेरा था।
उन्हें कुछ दिखाई नहीं दे रहा था।
अचानक... वे अंदर खिंचने लगे।
बोज़ो! हम फँस गए!
सड़प!!!
कोई अनदेखी शक्ति उन्हें अंदर की ओर खींचने लगती है।


दोनों उस जीवित वनस्पतियों वाली सुरंग के भीतर खींच लिए जाते हैं।
बोज़ो !!! कुछ करो!
बोज़ो भी अंदर तक हिल गया था। उसे इस दलदली ज़मीन का बिलकुल भी आभास नहीं था।
पहली बार, बोज़ो को स्वयं पर भी संदेह होने लगा था।
हम मरने वाले हैं...
WHOOOOSH!
वे अंधेरे से निकलकर नीचे एक खुली जगह में जा गिरते हैं।
THUD!
ZAMBARA !!!
वे एक विशाल भूमिगत मंदिर में गिर पड़े।
मृत्यु के स्थान पर... उन्हें दिव्यता के दर्शन हुए।
ज़म्बारा – जादू-टोने (वूडू) का पौराणिक स्वामी, उस काले जादू का अवतार जिसकी कल्पना मात्र से रूह कांप जाए।


बोज़ो विस्मय से भरकर खड़ा हो जाता है।
मैंने कहा था... मैं गलत नहीं हो सकता।
यह तो शुद्ध सोना है...
साहिल की आँखें फटी की फटी रह गईं, पर श्रद्धा से नहीं... लालच से।
यह मूर्ति... अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करोड़ों में होगी।
धन्यवाद गुरुजी... आपने रास्ता दिखाया।
बोज़ो ने हाथ जोड़ लिए।
अब मुझे किसी तंत्र-मंत्र की जरूरत नहीं।
मैं सबको नियंत्रित कर सकता हूँ।
वे दोनों अपने-अपने विचारों में खोए हुए थे।
THUNK!
तभी... एक तीर उनके सामने आ गिरा।


SHANTO !!!
गुप्त मंदिर का रक्षक।
तुम कौन हो?मंदिर को अपवित्र करने की हिम्मत कैसे हुई?
बोज़ो को अहसास हुआ। वह 'शांतो' के सामने खड़ा था!!!
महान शांतों! मैं आपका सेवक हूँ। बोजो का प्रणाम स्वीकार करे।
मेरे गुरु देवांग शास्त्री ने मुझे काला जादू सिखाया है।
उन्होंने ही मुझे यहाँ भेजा है।
तुम मेरा नाम कैसे जानते हो?
...गुरु देवांग?
CLAK!

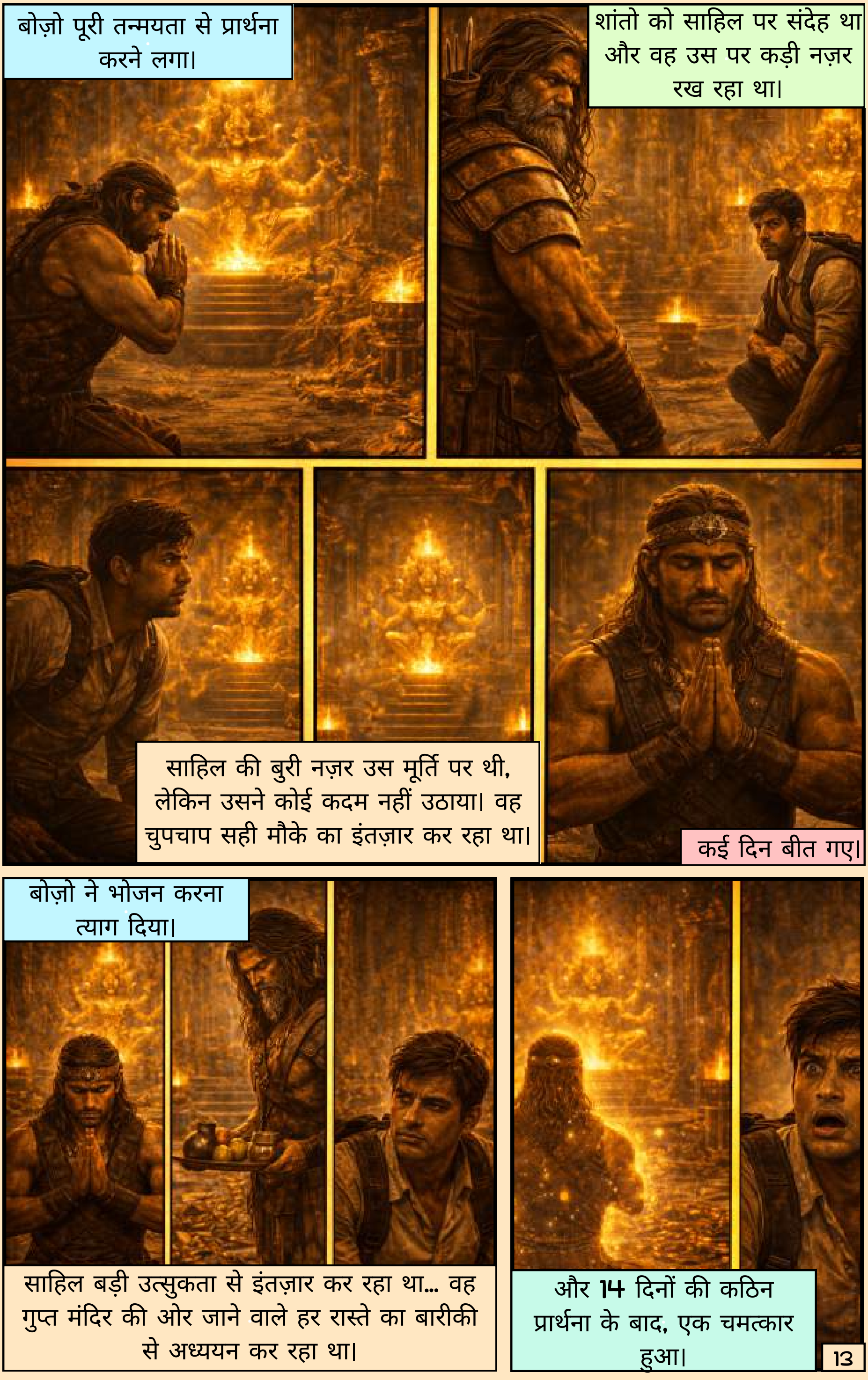

साहिल को मंदिर के रक्षक के बारे में याद आया।
कहा जाता था कि जो भी यहाँ आएगा, वह मारा जाएगा।
लेकिन बोज़ो शांत था।
मैं उनका प्रिय शिष्य हूँ। समाधी लेने से पूर्व उन्होंने मुझे ज़म्बारा की पूजा सिखाई।
ताकि मैं काले जादू का स्वामी बन सकूँ।
मैं कैसे मानूँ कि तुम्हें गुरु देवांग ने भेजा है?
क्योंकि इस मंदिर के बारे में आप और वही जानते हैं।
हमें बस कुछ दिनों की पूजा की अनुमति चाहिए।
शांतो गहरे विचारों में खो गया।


ठीक है... तुम्हें पूजा की अनुमति है।


लेकिन यह आदमी तुरंत यहाँ से जाएगा।


महान शांतों... मैं हिमालय पर भटक रहा था, इसने मेरी बहुत मदद की है।
मैं इसका ऋणी हूँ।
मुझे इस पर भरोसा नहीं है।


यह आपकी शक्ति के सामने कुछ नहीं है।
अगर यह गलती करे तो आप हम दोनों को ही मार देना।
बोज़ो, शांतो को साहिल से दूर ले गया।
शान्तो शंकित तो था...
ठीक है... यह रह सकता है।
परन्तु आखिरकार वो मान गया।
उस समय उन दोनों को साहिल के असली इरादों की भनक तक नहीं थी।
धन्यवाद, दयालु शांतो!!!
मूर्ख!


बोज़ो पूरी तन्मयता से प्रार्थना करने लगा।
शांतो को साहिल पर संदेह था और वह उस पर कड़ी नज़र रख रहा था।
साहिल की बुरी नज़र उस मूर्ति पर थी, लेकिन उसने कोई कदम नहीं उठाया। वह चुपचाप सही मौके का इंतज़ार कर रहा था।
कई दिन बीत गए।
बोज़ो ने भोजन करना त्याग दिया।
साहिल बड़ी उत्सुकता से इंतज़ार कर रहा था... वह गुप्त मंदिर की ओर जाने वाले हर रास्ते का बारीकी से अध्ययन कर रहा था।
और 14 दिनों की कठिन प्रार्थना के बाद, एक चमत्कार हुआ।


ज़म्बारा से प्रकाश की किरण निकली।
VMMMMM
धन्यवाद ज़म्बारा!! मैं शक्ति महसूस कर सकता हूँ।
और बोज़ो के शरीर में समा गई।
अब मैं काले जादू का अधिपति हूँ।
इस संसार में कोई भी मेरी शक्ति की बराबरी नहीं कर सकता।
दुनिया में कोई मेरा मुकाबला नहीं कर सकता।
बोज़ो ने अत्यंत विनम्रता के साथ साहिल और शांतो, दोनों का आभार व्यक्त किया।
अपने गुरु के पश्चात, मुझे इस हेतु आप दोनों का भी आभार व्यक्त करना चाहिए। मैं आपका ऋणी हूँ।


धन्यवाद की जरूरत नहीं।
मुझे खुशी है कि हमारी यात्रा सफल हुई।
मुझे आशा है कि मुझसे कोई त्रुटि नहीं हुई है।
शांतो ने भी ज़म्बारा के आगे सिर झुकाया।
बोज़ो परमानंद से भर उठा। उसने एक बार फिर ज़म्बारा के समक्ष शीश नवाया।
मैं आपका आभारी हूँ, मेरे प्रभु ज़म्बारा।
लेकिन साहिल एक खतरनाक योजना बना चुका था।
मैंने उस गुप्त मंदिर का मार्ग भी जान लिया है।
शांतो चुपचाप उन दोनों को एक गुप्त रास्ते से बाहर ले आया।
साहिल इस रास्ते से भली–भांति परिचित था। पिछले दो हफ्तों से, जब भी वे भोजन के लिए मंदिर से बाहर निकलते, शांतो उसे इसी मार्ग से ले जाता था।


अब वादा करो... कभी वापस नहीं आओगे।
हाँ महान शांतों। हम वादा करते हैं।
मेरा ख्याल रखने के लिए धन्यवाद।
जल्द ही साहिल और बोज़ो जापान के एक आलीशान होटल में थे।
बताओ तुम्हें क्या चाहिए। काले जादू की मदद से मैं तुम्हें एक अमीर आदमी बना सकता हूँ।
तुम अपने काले जादू से उस शांतो को खत्म कर सकते हो और मैं उस मूर्ति को चुरा लूँगा।
साहिल ने अपने मन की बात ज़ाहिर कर दी।
बेवकूफ कहीं के ! शांतो पर ज़म्बारा का आशीर्वाद है। उस पर कोई भी काला जादू असर नहीं करता।
बोज़ो आगबबूला हो गया।


और अब जब मैं तुम्हारे इस क्रूर मन को जान चुका हूँ... हमारा समझौता खत्म हुआ।
मैं तुम्हें जीवित छोड़ रहा हूँ। इसे मेरी दया समझो।
दफा हो जाओ!
बोज़ो साहिल को छोड़कर अपने होटल के कमरे में सोने चला गया।


उसी होटल की वह रात... जहाँ बोज़ो बेखबर सो रहा था।
तुम मुझ पर दया करना चाहते हो? बेवकूफ जानवर!
साहिल ने बोज़ो की हत्या कर दी।


साहिल ने अपने खंजर से बोज़ो का सीना चीर दिया।
मैंने तुम्हें जो दवा दी है, वह तुम्हें कुछ भी महसूस नहीं होने देगी।


वह अपनी इस खौफनाक योजना में किसी भी तरह की बाधा बर्दाश्त नहीं करने वाला था।


साहिल ने एक जापानी माफिया से संपर्क किया। उसने उसे यकीन दिला दिया कि वह मूर्ति करोड़ों डॉलर की है।
जल्द ही साहिल एक बड़े दल का नेतृत्व करते हुए गुप्त मंदिर की ओर बढ़ रहा था।
वे पेशेवर कातिल थे।
भीतरी मंदिर तक पहुँचने में उन्हें बहुत कम समय लगा।
लेकिन उनकी सबसे बड़ी मुसीबत... पहले से ही अंदर इंतज़ार कर रही थी।
वह शांतो था।
अजर-अमर योद्धा।
जिसने ऐसे कई युद्ध लड़े हैं।
और वह हमेशा अपराजित रहा था।


FIRE!! FIRE AT HIM!!
उसकी गति अतुलनीय थी।
WHOOSH!
उसके बाण आधुनिक कवच को भी भेद सकते थे।
AGHHH!
THWACK!
ARGH!
HE'S TOO FAST!!
दस मिनट से भी कम की लड़ाई में बीस लोग मारे गए।
माफिया का कमांडर मारा गया।

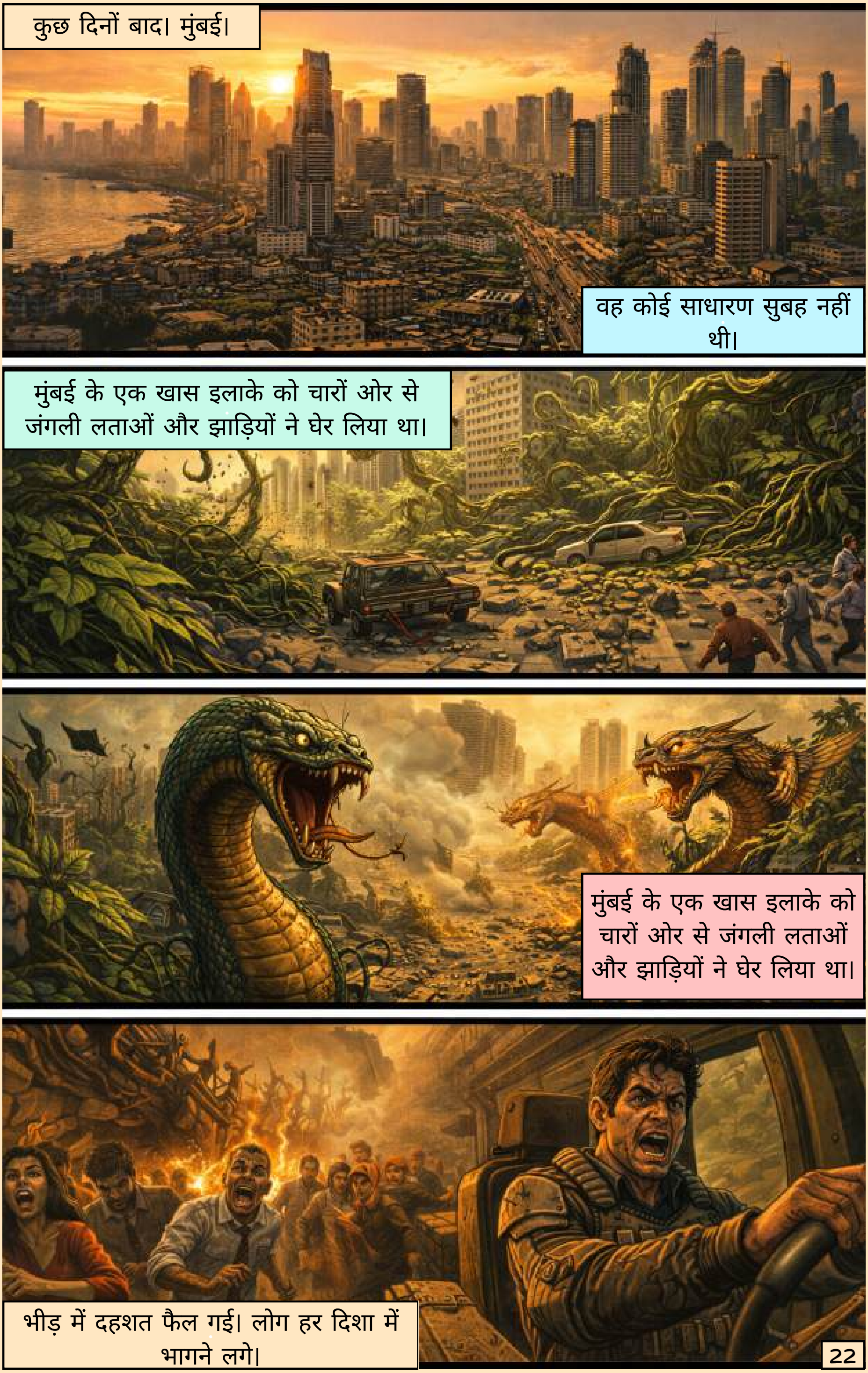

शांतो साहिल की ओर मुड़ा।
मुझे आभास था कि तुम साक्षात बुराई हो।
तुम्हें जीवित छोड़ना मेरी भूल थी।
साहिल बुरी तरह डर गया था।
वह जान गया था कि उसका अंत निकट है।


शांतो का पूरा ध्यान साहिल की ओर था। वह अत्यंत क्रोधित था।
BLAM BLAM BLAM
इसीलिए उसका ध्यान भटक गया कि एक गार्ड अभी भी जीवित था। उसने कई राउंड गोलियाँ चला दीं।
साहिल को मौका मिल गया। वह मूर्ति की ओर झपटा।
शांतो ने साहिल की ओर तीर चलाया, लेकिन उसी समय वह सैनिक भी भाग निकलना चाहता था।
THWUNK!
साहिल की जांघों में एक तीर धस गया। लेकिन फिर भी वह किसी तरह जीप की ओर भागने में सफल रहा।
इससे पहले कि शांतो साहिल को पकड़ पाता, वह जीप में सवार होकर रफूचक्कर हो गया।


घायल और असहाय, शांतो केवल हताशा में देखता ही रह गया...
... साहिल उस बख्तरबंद जीप में सवार होकर तेज़ी से भाग निकला।


मुझे क्षमा करें, भगवान ज़म्बारा। मैं आपके मंदिर की पवित्रता को भंग होने से नहीं रोक सका।
शांतो को अब साहिल को रुकने देने पर पछतावा हो रहा था।
वहाँ इतने लंबे समय तक रहने के कारण, साहिल हर रास्ते और गली-कूचे से वाकिफ था।


मैं वचन देता हूँ कि मैं आपको वापस इस मंदिर में लेकर आऊँगा।


कुछ दिनों बाद। मुंबई।
वह कोई साधारण सुबह नहीं थी।
मुंबई के एक खास इलाके को चारों ओर से जंगली लताओं और झाड़ियों ने घेर लिया था।
मुंबई के एक खास इलाके को चारों ओर से जंगली लताओं और झाड़ियों ने घेर लिया था।
भीड़ में दहशत फैल गई। लोग हर दिशा में भागने लगे।


ऋतुग्न मदद के लिए तुरंत उस स्थान पर पहुँच गया।
जल्द ही ऋतुग्न ने सभी सर्प-पशुओं, ड्रैगन-बाज़ों और जंगली लताओं को खत्म कर दिया।
ऋतुग्न को संदेह हुआ।
ऐसी जंगली लताएं और जीव???
ऋतुग्न स्तब्ध रह गया।
कई जीव फिर से उस जगह पर जमा हो गए।
ऋतुग्न ने अपनी पूरी शक्ति लगा दी।

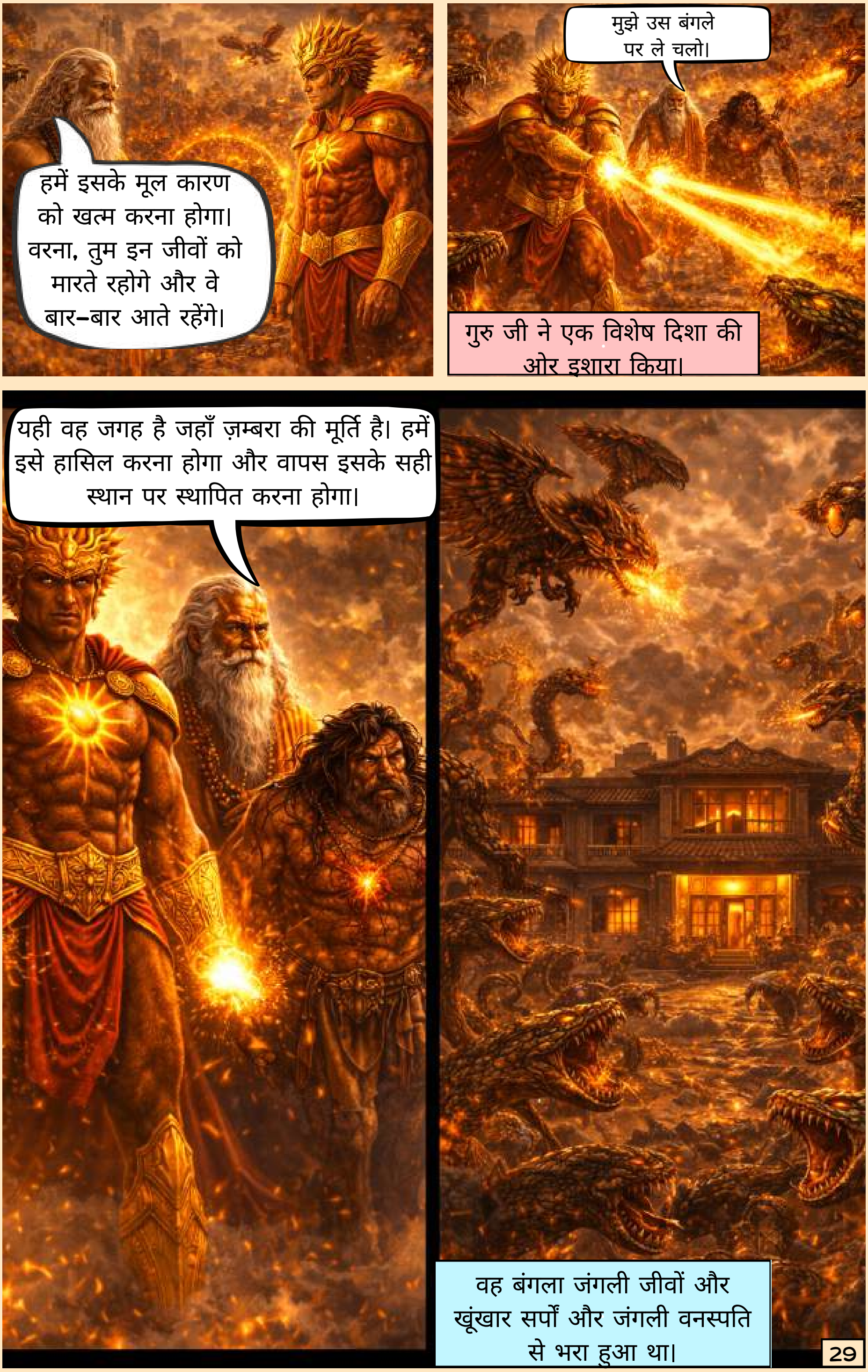

थका–हारा, ऋतुग्न विजयी होकर खड़ा रहा... सभी जंगली लताएं, सर्प और ड्रैगन–बाज़, मिट्टी में मिल चुके थे!
लोग खुशी से झूम उठे, उत्साहित थे और अत्यंत प्रसन्न थे!!!
ऋतुग्न घर लौट आया था...
LIVE
BREAKING NEWS
MUMBAI UNDER ATTACK: LOWER PAREL OVERRUN
CNN
लेकिन कुछ ही समय बाद, टेलीविज़न पर एक बार फिर उन जीवों की खबरें आने लगीं।
आखिर ये जीव बार–बार कैसे आ रहे हैं?
ऋतुग्न सोच में पड़ गया।
ऋतुग्न उस स्थान पर पहुँच गया।


ऋतुग्न ने उन जीवों पर हमला कर दिया।
जल्द ही ऋतुग्न ने उन पर विजय पा ली।
लेकिन वह पूरी तरह से थक चुका था।
लोग जय-जयकार कर रहे थे, लेकिन ऋतुग्न जानता था कि वह इस तरह और अधिक समय तक नहीं टिक सकता।
पूरी तरह थक चुका और लहूलुहान, ऋतुग्न विजेता बनकर खड़ा रहा।
ऋतुग्न वापस अपने घर पहुँच चुका था।
LIVE
BREAKING NEWS
LOWER PAREL UNDE SIEGE
वह अभी संभलने की कोशिश ही कर रहा था कि तभी उन जंगली जीवों ने फिर से हमला कर दिया।


ऋतुग्न पूरी तरह से पस्त हो चुका था।
लेकिन मासूम जिंदगियों को बचाने के लिए उसका वहाँ होना ज़रूरी था।
मुझे इसका कोई स्थायी समाधान खोजना ही होगा।
ऋतुग्न ने अपने शरीर में बची–कुची पूरी शक्ति समेटकर उन राक्षसों पर प्रहार किया।
वह जानता था कि वही आखिरी उम्मीद है!!!
उसे हर कीमत पर इस आतंक का अंत करना ही था।
जल्द ही उसने इस पर काबू पा लिया।
लेकिन ऋतुग्न जानता था कि जल्द ही इनका दूसरा झुंड आ सकता है।
उसे उससे पहले ही कदम उठाना था।


वह चूर-चूर हो चुका था और बुरी तरह थका हुआ था, लेकिन वह समय बर्बाद नहीं कर सकता था।
उसने बड़ी गहन छानबीन की।
BREAKING NEWS
LOWER PAREL UNDER SIEGE
उसकी रिसर्च उसे जापान तक ले गयी।
हाँ ऋतुग्न। हमने एक मंदिर पर हमला किया था। मेरे सभी मित्रों को एक 'सेंटॉर' (नर-अश्व) ने मार डाला। केवल मैं ही जीवित बचा हूँ।
जल्द ही ऋतुग्न उस गुप्त मंदिर में पहुँच गया और उसकी मुलाकात शांतो से हुई।
मुझे गुरु देवांग के पास ले चलो। अब केवल वही हमारी मदद कर सकते हैं!!!
अपनी 'तेजोमय गमन' शक्ति का उपयोग करते हुए, ऋतुग्न शांतो के साथ हिमालय पहुँच गया।


गुरु जी, भगवान ज़म्बारा की पवित्र मूर्ति चोरी हो गई है। ऐसा लगता है कि वह मुंबई में है।
गुरु देवांग शास्त्री ध्यान में लीन थे, लेकिन शांतो की आवाज़ ने उन्हें ध्यान से बाहर आने पर मजबूर कर दिया।
गुरु देवांग शास्त्री सब कुछ समझ गए।
ऋतुग्न, हमें मुंबई ले चलो।
ऋतुग्न ने अपनी 'तेजोमय गमन' शक्ति का प्रयोग किया और देखते ही देखते वे मुंबई पहुँच गए।
उन जंगली जीवों ने फिर से हमला कर दिया था और लोग ऋतुग्न का इंतज़ार कर रहे थे।


हमें इसके मूल कारण को खत्म करना होगा। वरना, तुम इन जीवों को मारते रहोगे और वे बार-बार आते रहेंगे।
मुझे उस बंगले पर ले चलो।
गुरु जी ने एक विशेष दिशा की ओर इशारा किया।
यही वह जगह है जहाँ ज़म्बरा की मूर्ति है। हमें इसे हासिल करना होगा और वापस इसके सही स्थान पर स्थापित करना होगा।
वह बंगला जंगली जीवों और खूंखार सर्पों और जंगली वनस्पति से भरा हुआ था।

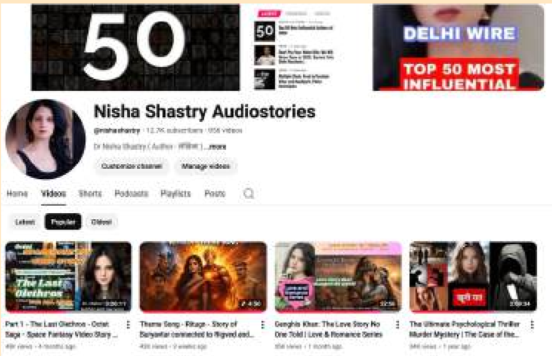

ऋतुग्न ने अपनी पूरी शक्ति झोंक दी। वह जानता था कि उसकी मृत्यु हो सकती है, क्योंकि वह पहले ही पूरी तरह निढाल हो चुका था।


परंतु सच्चे नायक अपने से ऊपर मानवता को रखते हैं!!!


और जल्द ही ऋतुग्न ने उस बंगले के भीतर प्रवेश किया।

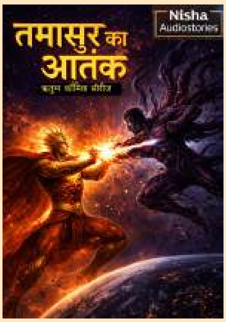

साहिल मर चुका था। उसे अपने लालच की कीमत चुकानी पड़ी।
इससे पहले कि वह मूर्ति को बेच पाता, उन जंगली जीवों ने उसे मार डाला।


गुरु देवांग शास्त्री ने भगवान ज़म्बारा से प्रार्थना की और जल्द ही उनका क्रोध शांत हो गया।
जल्द ही वे जापान के उस द्वीप पर पहुँच गए, जहाँ ज़म्बारा की मूर्ति मूल रूप से स्थापित थी।
आपका बहुत-बहुत धन्यवाद!
अगर तुम्हें कभी भी मेरी ज़रूरत पड़े, तो मैं यही हूँ।
ऋतुग्न ने गुरु देवांग शास्त्री को वापस हिमालय छोड़ दिया।
यह एक व्यक्ति के लालच की कहानी थी, जिसने पूरी मानवता को विनाश की कगार पर ला खड़ा किया...
और दूसरे के निस्वार्थ भाव की, जिसने इसे बचा लिया...
THE END



TO LEARN ABOUT RITUGN'S ORIGIN LISTEN TO THE INTERESTING STORY ON NISHA SHASTRY AUDIOSTORIES – YOUTUBE CHANNEL.

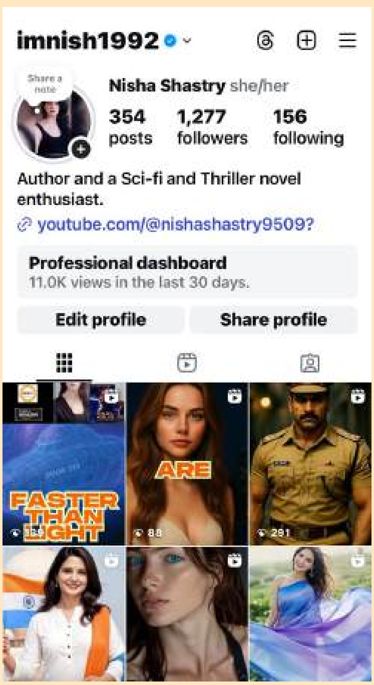
RITUGN SERIES COMICS



AVAILABLE AT AMAZON (INTERNATIONAL MARKETS)

SOFT COPY AVAILABLE FOR FREE AT GLOBAL COMIX

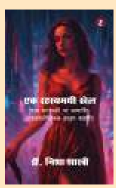


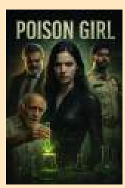


IF YOU WISH YOU CAN FOLLOW THE AUTHOR AT HER INSTAGRAM PAGE.

IN CASE YOU WISH TO GIVE ANY FEEDBACK OR WANTS TO UNDERSTAND MORE ABOUT HER WORK YOU CAN DM ON INSTA.













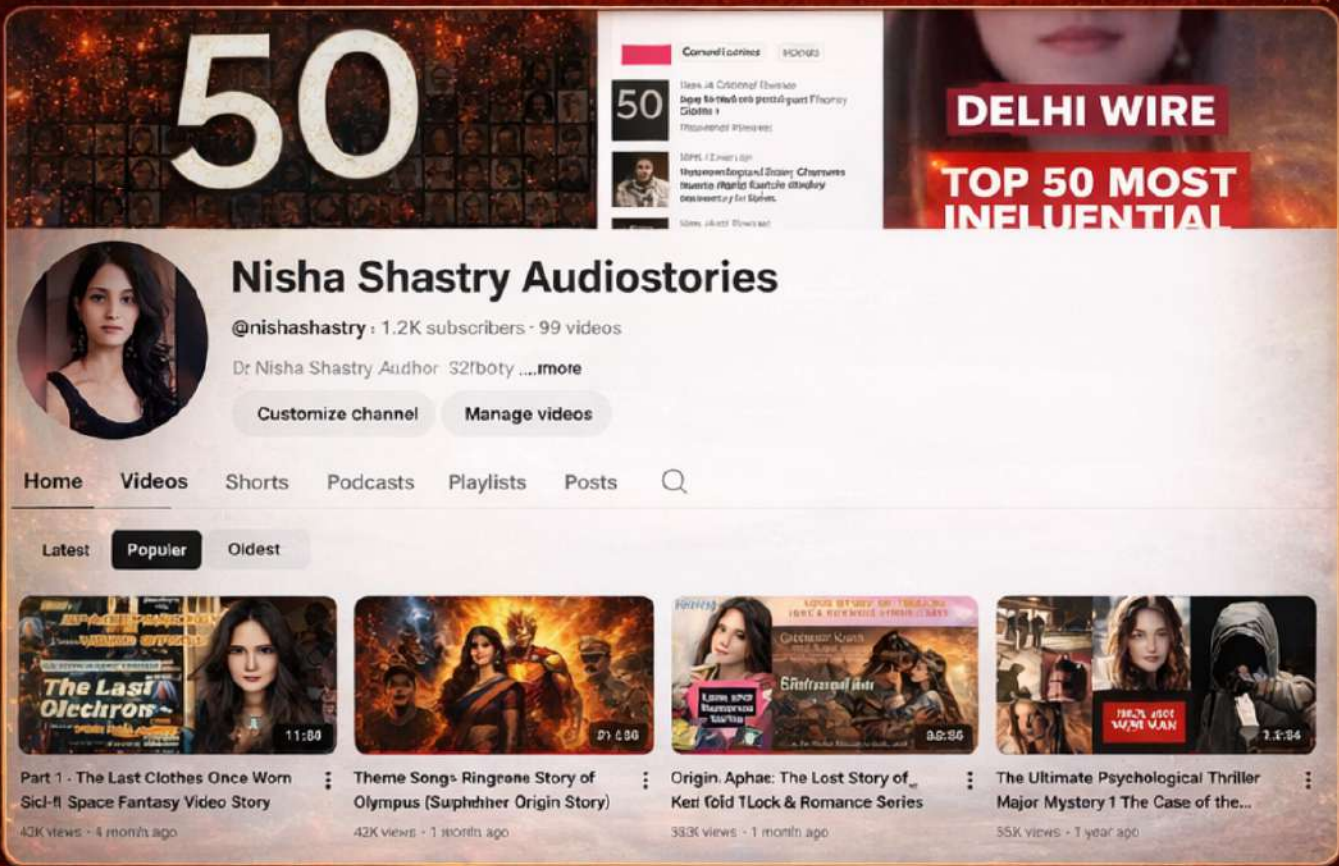


NOVELS BY DR. NISHA SHASTRY



DR. NISHA SHASTRY

डॉ. निशा शास्त्री को दिल्ली वायर द्वारा वर्ष 2024 की "मोस्ट इन्फ्लुएंशियल ऑथर" के सम्मान से नवाज़ा गया है। विज्ञान–कथा, थ्रिलर और रहस्य के क्षेत्र में इन्होंने अनेक चर्चित और लोकप्रिय उपन्यास रचे हैं। "ऋतुघ्न कॉमिक सीरीज" इनकी प्रमुख और प्रतिष्ठित रचना है, जो अपनी अनोखी नई–पीढ़ी की कॉमिक शैली और दमदार कथानक के कारण आज की सबसे सफल और प्रशंसित कॉमिक श्रृंखलाओं में शामिल है।



CHECK OUT HER YOUTUBE CHANNEL TODAY TO LEARN MORE ABOUT HER.

MRP. INR 350/- (INCLUSIVE OF ALL TAXES.)